

[illegible]

Յեղեփա Բ. Արժանապատե Կերպարա Աստղապետն Ըստժողովարանը : Ի ՏԵՆԻՍ
Մաճաթի Գեարդ Ըղայ Խաչիկեանի փառա : Ի Սուրբ. Բշխման Բ. Արժա. Առե. Մ. Պարոն-
դեանի բնուպարանը : Ի Դպրոցին Բժառ. Ը. Ստեփան Գ. Մեկը. Սկզբնականին ժառ : Ի
Կերպար. Բժառ. Ը. Կարապետ Իջիգետեի փառառա : Գաւիթի. Անեռ. Մ. Ընթան Ըղայ Եղեա-
ղարան Բժառ. Գրառարան :

“我知你，你知我” 我知你，你知我

2) $\frac{1}{2} \pi$ 6) $\frac{1}{2} \pi$

Ժողովքս իմն կիրակի օր, քաղաքիս մերայ-
տաբեկան աղջայկն մուղվը՝ փողեմնի սփռ-
վեան համեմատ եզիսկոպոստրանին մեջ ե-
լի, ներկայութեամբ ազգիս բոլոր երեւելինն-
ն է:

Տարեկան նոխիրն յարգի Նշխաններէն մէկ
նին և սուրբ Սեպուղգեան վարժարանիս յար-
Սեպուղգեան իրենց յոժարութեամբը
վարժարան, որոնց տեղը ուրիշ բարեւէր ան-
բարեւէր, և արդարեւ գործերը՝ ալ ա-
նոց յաջողութեամբ և դիւրութեամբ կատա-
ւորեն համար տարեկան իշխանաց խիւր ու-
նոցին, և քանի մը յարգի գործակալները
նոխիր հաստատուեցան, ինչպէս որ յայնմ
Տեւեկոյ գոյգակէտ ։

Տարեկան իշխանք

1) 2) 3) 4) 5) 6) 7) 8) 9) 10) 11) 12) 13) 14) 15) 16) 17) 18) 19) 20) 21) 22) 23) 24) 25) 26) 27) 28) 29) 30) 31) 32) 33) 34) 35) 36) 37) 38) 39) 40) 41) 42) 43) 44) 45) 46) 47) 48) 49) 50) 51) 52) 53) 54) 55) 56) 57) 58) 59) 60) 61) 62) 63) 64) 65) 66) 67) 68) 69) 70) 71) 72) 73) 74) 75) 76) 77) 78) 79) 80) 81) 82) 83) 84) 85) 86) 87) 88) 89) 90) 91) 92) 93) 94) 95) 96) 97) 98) 99) 100) 101) 102) 103) 104) 105) 106) 107) 108) 109) 110) 111) 112) 113) 114) 115) 116) 117) 118) 119) 120) 121) 122) 123) 124) 125) 126) 127) 128) 129) 130) 131) 132) 133) 134) 135) 136) 137) 138) 139) 140) 141) 142) 143) 144) 145) 146) 147) 148) 149) 150) 151) 152) 153) 154) 155) 156) 157) 158) 159) 160) 161) 162) 163) 164) 165) 166) 167) 168) 169) 170) 171) 172) 173) 174) 175) 176) 177) 178) 179) 180) 181) 182) 183) 184) 185) 186) 187) 188) 189) 190) 191) 192) 193) 194) 195) 196) 197) 198) 199) 200) 201) 202) 203) 204) 205) 206) 207) 208) 209) 210) 211) 212) 213) 214) 215) 216) 217) 218) 219) 220) 221) 222) 223) 224) 225) 226) 227) 228) 229) 230) 231) 232) 233) 234) 235) 236) 237) 238) 239) 240) 241) 242) 243) 244) 245) 246) 247) 248) 249) 250) 251) 252) 253) 254) 255) 256) 257) 258) 259) 260) 261) 262) 263) 264) 265) 266) 267) 268) 269) 270) 271) 272) 273) 274) 275) 276) 277) 278) 279) 280) 281) 282) 283) 284) 285) 286) 287) 288) 289) 290) 291) 292) 293) 294) 295) 296) 297) 298) 299) 300) 301) 302) 303) 304) 305) 306) 307) 308) 309) 310) 311) 312) 313) 314) 315) 316) 317) 318) 319) 320) 321) 322) 323) 324) 325) 326) 327) 328) 329) 330) 331) 332) 333) 334) 335) 336) 337) 338) 339) 340) 341) 342) 343) 344) 345) 346) 347) 348) 349) 350) 351) 352) 353) 354) 355) 356) 357) 358) 359) 360) 361) 362) 363) 364) 365) 366) 367) 368) 369) 370) 371) 372) 373) 374) 375) 376) 377) 378) 379) 380) 381) 382) 383) 384) 385) 386) 387) 388) 389) 390) 391) 392) 393) 394) 395) 396) 397) 398) 399) 400) 401) 402) 403) 404) 405) 406) 407) 408) 409) 410) 411) 412) 413) 414) 415) 416) 417) 418) 419) 420) 421) 422) 423) 424) 425) 426) 427) 428) 429) 430) 431) 432) 433) 434) 435) 436) 437) 438) 439) 440) 441) 442) 443) 444) 445) 446) 447) 448) 449) 450) 451) 452) 453) 454) 455) 456) 457) 458) 459) 460) 461) 462) 463) 464) 465) 466) 467) 468) 469) 470) 471) 472) 473) 474) 475) 476) 477) 478) 479) 480) 481) 482) 483) 484) 485) 486) 487) 488) 489) 490) 491) 492) 493) 494) 495) 496) 497) 498) 499) 500) 501) 502) 503) 504) 505) 506) 507) 508) 509) 510) 511) 512) 513) 514) 515) 516) 517) 518) 519) 520) 521) 522) 523) 524) 525) 526) 527) 528) 529) 530) 531) 532) 533) 534) 535) 536) 537) 538) 539) 540) 541) 542) 543) 544) 545) 546) 547) 548) 549) 550) 551) 552) 553) 554) 555) 556) 557) 558) 559) 560) 561) 562) 563) 564) 565) 566) 567) 568) 569) 570) 571) 572) 573) 574) 575) 576) 577) 578) 579) 580) 581) 582) 583) 584) 585) 586) 587) 588) 589) 590) 591) 592) 593) 594) 595) 596) 597) 598) 599) 600) 601) 602) 603) 604) 605) 606) 607) 608) 609) 610) 611) 612) 613) 614) 615) 616) 617) 618) 619) 620) 621) 622) 623) 624) 625) 626) 627) 628) 629) 630) 631) 632) 633) 634) 635) 636) 637) 638) 639) 640) 641) 642) 643) 644) 645) 646) 647) 648) 649) 650) 651) 652) 653) 654) 655) 656) 657) 658) 659) 660) 661) 662) 663) 664) 665) 666) 667) 668) 669) 670) 671) 672) 673) 674) 675) 676) 677) 678) 679) 680) 681) 682) 683) 684) 685) 686) 687) 688) 689) 690) 691) 692) 693) 694) 695) 696) 697) 698) 699) 700) 701) 702) 703) 704) 705) 706) 707) 708) 709) 710) 711) 712) 713) 714) 715) 716) 717) 718) 719) 720) 721) 722) 723) 724) 725) 726) 727) 728) 729) 730) 731) 732) 733) 734) 735) 736) 737) 738) 739) 740) 741) 742) 743) 744) 745) 746) 747) 748) 749) 750) 751) 752) 753) 754) 755) 756) 757) 758) 759) 760) 761) 762) 763) 764) 765) 766) 767) 768) 769) 770) 771) 772) 773) 774) 775) 776) 777) 778) 779) 780) 781) 782) 783) 784) 785) 786) 787) 788) 789) 790) 791) 792) 793) 794) 795) 796) 797) 798) 799) 800) 801) 802) 803) 804) 805) 806) 807) 808) 809) 810) 811) 812) 813) 814) 815) 816) 817) 818) 819) 820) 821) 822) 823) 824) 825) 826) 827) 828) 829) 830) 831) 832) 833) 834) 835) 836) 837) 838) 839) 840)

此題之題詞和對句均見於此

የጥንታዊው የኢትዮጵያ ምስክር መሪ ዘመናዊነት

Եւստ ժարդ կայ որ՝ մեկուն աղէկութիւն մը ը-
լ ըլլան նէ՝ այնքան վճռելիոց կը հանեն որ՝ ա-
լիւթիւն տեսնողք կ'ամենայ, և իրենց աղէկութեա-
լ խփարէն վայելած յարգը՝ իրենց անտախտութիւ-
նը հաւատարմութեամբ կը կրօնացունեն։ Սինեքս-
տարիայն ասոր հակառակը խրատ կուտայ, Գեղոյս
լիւթ՝ որ բարեխառնութիւնը քննէն իրարմը գոցէ,
կրփափք տեսնողին ընտմը քանայ, և մենք ալ
ստեղծ մէկ հաշակաւոր օրինակով մը պիտի տես-
նը որ՝ անքնալ գտրու երեւելի ժարդոց մէկը այս
նշան աղէկ գիտէ կզեր, և շատ աղէկ ալ ՚ի գործ-
մէ է։

[illegible]

Գլխաւոր Պէտքերն ընդ ընթաց
 Հայրն Սկսեալ իման
 Ստորագրէ Սկսեալ զԵկեղեցին
 Ստորագրէ Հաճեալ իման
 Ստորագրէ Սկսեալ Ստորագրէ

Այսպես Ստեփաննոս Լեւոնյանը վերականգնում է (մի ֆեմիլի) :

17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840. 841. 842. 843. 844. 845. 846. 847. 848. 849. 850. 851. 85

Տիկնազ Լիկն զնցոյն Լաւինադոյոց թաղը
 Իդնազ քնովաբունին վերականգու ։

[illegible]

Նոյն Լճի գեղ. շին և բնորոշումն

[illegible]

⁴ Եղիշէ Եկեղեցւոյն մահ ճի

3-14-14 14-14-14

Առաջին Կարգի զորությունները և զորավարները:

$\frac{1}{2} \left(\frac{1}{\sqrt{2}} + \frac{1}{\sqrt{2}} \right) = \frac{1}{2}$

[Faint handwritten notes at the bottom of the page]

Հիւանդանոցին հասա՞րք Նշանաւորիչ եկե-
ղեցւոյն զերազոյցաւ :

$$|f| = \frac{1}{\sqrt{2}} \left(|f_1|^2 + |f_2|^2 \right)^{\frac{1}{2}}$$

Իր համարումով հիմնականում փրակադա, և

[illegible]

զումն նուազոր չեա , և նուազորութիւն ընել ըզ
արուեստը մը բռնելով ստակ շահելու համար եղած
պիտի չբլայ , միայն զքսանաւ համար պիտի բլայ ,
երիտասարդը պատասխան տուաւ . յիշաւի ափիւլ
իմ բուն արուեստ չէ . իմ կենացս միճակը՝ այս րաւ .
նիս յարմարութիւն չունի . բայց հօրս զխօսն եկած
փորձանքը պիտափակցի որ՝ այս արուեստս ալ տրվիմ ,
և տուն օրերը քանի մը ստակ ալ ասկէ շահիմ :

() Եւրոպական ըրտաւ . ինչ փորձանք եկած կ'ըլլայ Տօրթը գլխուն . աղան աւելցնիք արքունիք իմախելով ըրտաւ , հայրս դերի է . և թէ որ իմ դործովս և աշխատութեամբս քանի մը ստակ շնորհունեմ նէ՝ աւերիկայ դերութենէն ողջանելու . յայս ճկայ , գերի է մի քսու՝ ճորտն տանն է որ դերի ինկած է . և ուր է :—
 1) Եղ ափս է որ՝ Դեղուն քաղաքը երկաթով կապած դերի է . իր ծախքերէն խնայելով քիչ մը ըստակ եւելցուցեր էր . ապրանք առաւ , նաւը մտաւ և Ռախտին կ'երթար կոր , որ իր գործոյն գլուխը բլուրով եւելիկէ շահէ . Եւրոպայի նաւարտանքը՝ (խուստնտները) նաւը դերի բռնեցին . հայրս ալ՝ նստուն մեջ գտնուող մարդիկ ածենն ալ աստեղծող դերի գաղին . աշխատութեանը համար երկու հազար սկուգ (կամ ըսեալ) կ'ուղար . բայց որովհետեւ դաշտն ասեղնը ինչ ունէր շունէր՝ հետը առեր էր . այս ստակը հիմոյ մեղմէ շատ հեռու է . թէպէտ այս պարպէն է՝ բայց մայրս և երկու քղրս գիշեր ցերեկ աշխատելով կը յուսան որ պարան ստակ կարող ըլլան

Խաղաղին Դ ամուսնացին (Դ անդրադարձաւ)

$$U = \frac{1}{2} \frac{1}{\epsilon_0} \int \epsilon_0 E^2 dV = \frac{1}{2} \int \epsilon_0 E^2 dV$$

Թագաւոր քաղաքը Վրքիստոսի պատմութեանին ուխ-
տին վրայ՝ Սոսեթ քահանային Դոյմակեղեցուցէ յա-
մակը հրատարակուելէն ետքը՝ ղեկտեսիսի Զին
Սոսա քաղաքէն կրկին :

«Վերել թէ զերմանացիները չեն գիտեր որ մենք մեր մայրաքաղաքին վերափոխեն Նիկիոյնցոյն մէջ պահած ունիմք Վրիստաւր պատմաճանր , իմուել քաղաքը պահուածէն ի զատ , ասիկայ մէկ քրման կատ . մին է , հիւսքը ցանցտա (տէրէկ) , և զոյնը գիդին : Արատանի կռուցին ասանը պարոնց Շահը այս կըտորս Սճիկիմա քաղաքէն վերցուցիւ եր . և հաքը Ղստերգիւն . կայսեր ընծայ բաւ . ասոր մէկ կըտորը Պիտրապուրց քաղաքը կայսերական մատուռին մէջ կըպահուի . և կայսերական ցեղէն տղայ մը մկրտուած օրը՝ անոր ճիտը մէկ իսաւ մը կըկախեն , որուն մէջ այս Սուրբ պատմաճանէս կտոր մը զըրուած է . և այս խաչը անոր ճիտը կըմնայ մինչև անոր ժահուն օրը» :

Ինքզեռչոյէն քաղաքները , որ Լաւարից տէ-
րութեան կողմէն գետազանուէթեամբ Լճէնք զըր-
կաւած է , և որոնք Սօձ՝ աղղաւ աանխմարացի
որ Լճէնքի թաղաւարանն համալսարանը հը-
նարկաւութեան դաստաւ է , նոյնքերի ամօշն
մէջ Ո՛րիօ (տէխնիքի) կը գին դանուելով հը-

դիզելու . ես ալ իմ՝ կողմանէս ասոր կ'աշխատեմ , և
ասն օրերն ալ՝ ասանկ լաւնելով ինչ որ ձեռքս տնցնի
նէ մէկդի կըդնեմ , որ կտորդ ըլլանք անիկոյ աղա-
տելու . առաջները կըկտրածէ որ՝ ես երթամ անոր
տեւը գերի կենամ՝ նէ՝ կրնամ անիկայ ապստել . ա-
սիկայ մայրս կամ իմացաւ՝ կամ կըռահէց . և ինձի
ընտ որ՝ մտքեզ անցուցածդ ըլլալու բան չէ . և կաս-
կածելով . շրջայ որ ինչ ըլլայ նէ աչքս առնեմ և
միտքս դրածս կատարելու ըլլամ , հրաման՝ հանել
տուաւ ամեն նաւապետներուն , որ մէկն ալ զիս չի
կրնար իրեն նաւ տանել :— Զօրդ վրայդ մէկ նոր
ըւր մի առան ունիս մի , որս . քով է , և տէրը զին-
քը Բ'ն լանի կըծառայեցունէ նէ գիտնու :— Ինչպա-
ւորին պարտիցներուն զիտաւոր վերակացունին (պախ-
ճեպան պաշինն) . քովն է . որ վրան աղէկ ինտմք ու-
նի . բայց ասիկայ հօրս շատ պղտիկ մէկ միտարու-
թիւն մըն է . քանզի Բ'նպէս որ նոյսի նէ՝ գերի է ,
մեղմէ հեռու է , իր սիրելի ընկերոջմէն և իրեք զա-
ւակէն հեռու է . որ ամեն ատեն աչքին լոյսին պէս
կըրթէր :— Եւունն ինչ է :— Ինչպէրդ :— Ինչն
տարուան կայ :— Ինչուն և հինգը քիչ մը տնցած
է :— Ինչուի աւելի տղէկ բաղգի արժանաւոր տղայ
իս , ես ալ բոլոր սրտով քու աղկկութեանդ կըփա-
փաքեմ , և սրտիդ աղէկութիւնը տեսնելով կըզուշա-
կեմ ալ՝ որ փափաքանայց պիտի հասնիս :

ժամանակը միժնեց նէ՝ հրաման բրաւ որ ետ դառնայ . և նաւակէն անանկ չտա դուրս ելաւ որ՝ անոտ

նուց մնացած մէկ գերեզմանատուն մը գտան .
մէջը հազարէն աւելի գերեզման . ամենն ալ պու-
րայ . բայց բոլոր պատերը գրով լեցուն էին :
Եւ արձանագրութիւններու մէջ յաւանքէն ալ
կար՝ լուսիններէն ալ . և երկրորդ դարէն մինչև
վեցերորդ դարու . յիշատակութիւնը կրօնական
որով այս միջոցիս եղած պատմութեանը վա-
յօք շատ լոյս կուտար . այս երկու դիմանկան
անձները արդէն արձանագրութեան օրինակը
առնել կուտան , որ մէկ առանձին գրքով մը
պիտի հաստարակեն :

— Արեւելոյ քաղաքը մէկ նոր լինելութիւն
մը հաստատուեցաւ . որուն նպատակն է՝ աւաւ-
ջերով ասորոյ մարդոց բաներու բան գտնել , որ
ասորին : Այն ամառն մէջ 1220 հոգի դնաց
առնաց . և 3,801 հոգիին բաներու բան և ապ-
րաստ վտարելու սեղ դառն . և ասիկայ ալ
գիտելին որ՝ այս վեց ամառն մէջ առաջին ա-
սաններէն քիչ եղաւ զոգութիւնը այս քաղա-
քիս մէջ :

() քոֆրոտի համադարձման անուանի Վի-
դէյ վարդապետը , որ Վեպիկայ բաւած քրո-
թիւթմաններուն գրեթէ 1/2 , և քրօթիւթման տ-
ղանքաւորներուն ամենէն աւելի մասն է՝ ուղղա-
փառ կրօնի , առանձին նամակ մը գրելով և հը-
րատարակելով կըսէ որ՝ ինչ որ փետրվարի 15ին
ըլլալու ժողովին աստիճանագրութիւնը ընդու-
նելու և ստորագրելու գիտ բանաստեղծն է՝ ()
քոֆրոտի համադարձման ալ կըսէ որ՝ Վեպի-
քան եկեղեցիին ալ կըրտուիմ . և ժողով-
քին աստիճանագրութիւնը այն պիտի ըլլայ որ՝
ամեն մարդ Վեպիքան եկեղեցւոյ հաւատոյ դա-
ւանութիւնը ստեղծ ընդունելու պարտաւորի
ըստ բաւին և ըստ խնամոց :

Արեւելոյ քաղաքի ամեն վիճակի մէջ . և ալ-
խորհարան խնամաւորներուն մէջ ալ տար հե-
տեղները՝ որ են Վեպիկայի տեղի շատնա-

լու վրայ են , և ամեն բազմաթիւ վրայ անգ-
ղիացեաց օրագիրները բաւական երկիւղ կը ցու-
ցունեն : Անկանգնութիւն ծին կրակի օրը , և քա-
ղաքը քաղաքին եպիսկոպոսը կանգնեն հոնեց .
որով կերպ կերպ եկեղեցական արարողութիւն-
ներ կըստուէրէ՝ Անկ Սիրովիլ եկեղեցին ը-
լալու վրայ . և այս արարողութիւններս ամեն
կերպով Հոռիմէական եկեղեցւոյ մէջ եղած ա-
րարողութիւններուն համեմատ են :

Եւ լոյս թէ որ իրաւ է նէ (և կըրտուէր
որ իրաւ ըլլայ . որովհետեւ անգղիացեաց օրա-
գիրներն են դրօշները) սուտ կեղծ Վրասնե-
րու քաղաքի օրագրոյն բաւած , թէ 12 քաղաք
քաղաքին եպիսկոպոսը՝ Սապէս Վիլ խնամին
մէկ գրով յորդարեւելով , իր միտքը դրած նա-
րութիւններէն , (այսինքն՝ անգղիական եկեղե-
ցին բրօթիւթման ըլլալին առաջ նոյն եկեղեցւոյ
մէջ զործածուած և ետքը արանդոյն պատճա-
ռաւ խափանուած արարողութիւնները նորո-
գելէն) եւս կեցեր է :

Վերանայական օրագիրները մտադրութեան
արժանի մէկ բան մը կըպատմեն : Պարոն Մէյքը
որ Վեպիկայի համադարձման դատաւորներէն
մէկն է՝ Հաննովերի Թագաւորութեան մէջ , յան-
ցաւ որները պատելու կերպին վրայ իրաւարա-
նութիւն դաս տուած ասիւնը ըսեր է որ՝ դա-
տաւորական տեղեկութիւններ առնելու հա-
մար ծնծը շատ աղէկ ծամբայ մըն է . բայց տես-
նելով որ՝ մոտիկ ընդները այս բանս չափորձե-
ցին , սու յաւելուած ըրաւ՝ այն ըսել չեմ՝ ու-
զեր ըսաւ՝ որ հիմայ ալ ծնծը նորէն սխալ
դէպք է դատաւորներուն մէջ , յանցաւ որնե-
րուն յանցանքը իրենց զրուցել տալու համար ,
այլ սու պիտի խնայուեն որ՝ ծնծով շատ ան-
գամ ճշմարտութիւնը երեւն երած է :

“Վոր վրայ Վեպիկայ բաւած զօղովական օ-
րագիրը այս խաղաղածութիւնս կընէ : “Վա-

կից ետքը երկրորդական տեղ չի մնար Վեպի-
կայի դատաւոր ինչպիսի վրայ . որովհետեւ պա-
րան Մէյքըի պէս խնայի մարդիկ ալ Վեպի-
կայի և Վեպիկայի և Վեպիկայի պէս կը
խօսին :

Բայց մենք ալ կըրտուէր որ՝ ալ ասիկայ ետքը
երկրայութեան տեղ չի մնար Վեպիկայի պատ-
ասկ օրագիրներուն մարէն արամաւորութեան
կանոնները ջնջուելուն վրայ . ինչ որ ասանկ
պատալ և քանի մը մարդոյ նմանցունելը տրա-
մարանական աղաղակի տեղ կը լինէ սաղ փու-
ղէն նէ : Վեպիկայն է որ՝ ամեն տասնեկ խօսք
կորցաւորին միտքը պիտաւ առաջ եկածը այս
կը լայ . Վեպիկայի և Վեպիկայի և մեկտեղեցու-
պէս խօսելը ինչ վիտա ունի՝ թէ որ ասիկայ մը
անտեղութիւն մը չաւանայ նէ . և ինչ որ ասիկայ
նէ՝ այն ինչու չաւան , և մեր չի ճանչցած անուն
ները իրեն խրատական (պատգամաւ) կըցուցու-
նէ մեզի : Վեպիկայի չէր մի ըլլաւ ծնծով
յանցաւ որը զրուցել տալուն վիտաները և ան-
տեղութիւնները պատմել :

ԵՎԻՍՏՈՍ

Վիլ քանդակի կանոնաւոր չօղենաւ արդի-
նէն հետագայ լուրը կըծանուցանէ :

Տեղի վրայ մէջ ցաւ այն դիպումն մը պատա-
հեր է ինչու հետեւներով :

Սեկիկայի մը՝ մասնական կրօնը տրաւ-
ւելուն համար ամբաստանուելով՝ իշու մը վրայ
նստեցուցին երեսը գեղի ի պիկին (պոլին) գա-
ւած ու բոլոր ժողովուրդը փողոցներէն ժող-
կած ժողովաները պառաւ՝ կանչ վառ տել՝ հըն-
դարնէ և այլն , վերջապէս խեղճ անանկաւ որ-
հաւէ (եճէլ) մը բռնուելով հոգին աւանդե-
ցաւ :

Եւս գործս մեծ զրգիւ պատճառ ել ամենու
սիրտը , և միւս անգամ ինչու հետեւներով
ալ այս բանիս խառնուեցան :

աշխատութիւնը վարձատրելու համար նաեւակին մէջ
ձգած քաղաք տղան առնելու և շնորհակալ ըլլալու
ժամանակ չի մնայ . քաղաքի մէջի գրամն էր ունի-
հատ քառասուն հաւանք , և տարը հատ քառասուն . (հի-
մակուան արժողութեամբ ամենը մէկէն կընէ 1600
գահական) : Եւս առատածնութեան վրայ տղան
ապշխարով՝ շատ որ ետեւէն պարտաւորաւ որ կրնայ մի
մէկ տեղ մը պատահի , և շնորհակալութիւնը իրեն
յայտնել , բայց ասիկայ իրեն անհետը եղաւ :

Արեւելոյ քաղաքը երբ որ մէկ օր մը այս տանա
ընտանիքը մէկ խեղճ սննդակի մը մէջ նստեր իրենց
ողեւորէ կերակուրը կ'ուտէին , և ընաւ մէկ բանի մըն
ալ անկեղծութիւն չուէին , յանկարծ ինչպէր զոն և
կու . ընտանիքը ամեն ալ այս անյուստի բանս տես-
նելով՝ ուղղութեան պատալ սկսան և ճշմարտու-
թեանը վրայ կ'անհաւելով՝ իրենց աչքովը տեսաւ-
նենուն անգամ հաւատոյ չէին ուղիւ , մարդը հոյ-
րական դարձաւ և սիրով մէկ մը մէկուն ճիւղը կ'ի-
նար կըհամբուրէր . մէկ մը մէկալին , ո՛հ իմ ընկերո ,
կըսէր . ո՛հ , իմ սիրուն զաւակներս . ձեր գիտութեա-
նը և ձեր սիրտի խնամքը ոչքան պարտական և ե-
րախտագէտ եմ , բայց ի՞նչու՞ դուք զիս այսքան
քիչ ատենի մէջ ի՞նչպէս կըցաք ազատի , և ի՞նչ-
պէս ինձի այնքան բան կըցաք շնորհ . իմ ազատու-
թեանս պէտք եղած ատենէն դատ 50 լուիքի ալ
(4250 գահական) ճամբու ծախք , այս լուիքիս , նա աւ-
տարքը առաջիկայ ճամբուս . այս բանիս ինձի շատ

մեծ զարմանք կըբերին . ինչպէս ձեզ ալ՝ այս ի՞նչ-
պէս խեղճ ուղիւն զի՞նչի մէջ ինչպէս կըտեսնեմ
ինձի համար , բայց կրօնը սիրտը սիրտն շատ և այն-
քան զօրաւ որ կ'իջեր տիրած էին որ՝ պատասխան
աղաւ ժողովան անգամ չուէցաւ , շքեկաւ պը-
լուցաւ , լալով անանկ միտք . աղքիկներն ալ իրենց
մարդ պէս կուլային . տղան անշարժ կեցաւ և մա-
րեցաւ :

Արեւելոյ քաղաքը իմպիւրով քիչ մը թիւեցաւ , և
խօսելու կարողութիւն եկաւ վրան , նորէն երկունք
ձիւր ինչաւ . ետքը տղան ցուցանելով ըսաւ . ահա
քեզ ազատուցը քու տղադ է , քու ազատութեանդ
համար 2000 լուի (48000 գահական) կ'ուզէին .
մեր միշտ հիմայ ասոր կէտը անգամ չի կըցանք ճա-
րել , և մեր ճարտին ալ շատը տղադ անհունը ալ-
խատութեան է : Եւս սիրուն զաւակիս հարկաւ-
րապէս իրեն պաշտպաններ և խնամածներ գտած
պիտոր ըլլայ , որ ասոր առաքինութիւններէն սիր-
տեղին շարժելով ասոր օգնութիւն են ըրեր . առաջ
զաղտուկ մարդ մէջը դրեր էր որ՝ ինքը պիտի գա-
րու անգղի գիւրի պիտի կենար՝ ու քեզ ազատէր . հի-
մայ ալ ստուգապէս քու աշխատութեանդ անոր քորն
է . և մեզի ալ բան մը չէր ըսած՝ որ յանկարծ քեզ
տեսնելին մեզի աւելի ուրախութիւն բերէ , նայէ
իրեն սիրուն ալ ինչպէս շարժած է . երկունք քիչ
մըն ալ անոր աշխատինք , որ ինքը գլուխը բերինք
այս և կին տասնի խօսած ասեմը՝ աղքիկները իրենց

եղապրը խեղաբերելու կըհորհեին . ասոր ալ՝ ամեն
հետ մէկ ըլլալով և շատ աշխատելին ետքը վերջ-
պէս մարեկը անցուցին , մարմնածաւալ ընկեր
ձուց հօրը վրայ նայեցաւ . սակայն տակաւին խօսելու
կարողութիւն չուէր :

Եւս միջոցին հոյրը մոմաւորի մէջ էր ինչեք ,
մենկին չէր խօսեր , շուտ մը ուրախութիւնը մա-
տանցութեան և արտութեան փոխեցաւ . բարեկեցութեան
առաջ մէկ մը տղուն երեսը նայեցաւ ու ըսաւ՝ ըս-
թուաւ ասիկայ տղայ , բա՛ն պիտի ի՞նչ ըրէր : Եւս
դատաւորական վրայ եւ չեմ՝ կըրտուէր քեզնէ շնորհ-
կալ ըլլալ՝ թէպէտ ազատութեան ինձի շատ սիրելի
է , ինչ միջոցով զիս կըրտուէր տղաւորեք՝ քանի կըրտու-
եմ նէ՝ ինձի ստիւտ կուգայ . ասիկայ ի՞նչպէս
համարձակեցար մարմնդ գաղտուկ պահել , թէ որ մէկ
յանցանքի մը մէջ ինչպէս իմ ազատութեանս ճա-
րան գտած ըլլալիս նէ՝ ինչու մարմնդ պիտի ծա-
կելու . դու մէկ խեղճ գիւրի մը տղայ էիր . ասոր
քեզ մատուց . խեղճ չի կորէր որ՝ դուն ինձի տանի
օգնութիւն ընելու՝ անեղ և համար կերպով կա-
րող եղած ըլլաւ . քանի կըխորհիմ որ՝ որդիական
սէրը՝ քուին անանկ գէշնայող պատճառ է առաւ-
ինձի ստեղծ կուգայ . զիս այս կ'անհաւելն աշխատ-
չիտակը իտակ , չէ նէ . . . տղան ինքնիրեն ձիւր ըն-
լով տոր կու . չէ՞ հայր իմ՝ ըսաւ . սիրտդ ինչ
համարտու . տղադ վրայ գէշ կ'արձիւնեցաւ մի եր-
կուր . եւ քեզի դատակ ըլլալու անարժան չեմ , բայց

Երբ որ Կ. Պէտէմէթիին այս գիտութեամբ
հասնի Գործարարացի Ժանայց, առջի բերանը
սննդին չի հասնայ, բայց վերջը հասարակ
եղիվածին ունենալով՝ պատերազմի տեսուչ
Հմեռ պէյ իր քննորդին սպառնց, որ խնդրին
հիմադր երթայ, ու այս գիտութեամբ քննէ:

Սինի հիմայ Բարձրագոյն փոխարքային
յո գործըս հասնէն է՝ հիւսիստուններուն կամուս-
ք լանձնելով, որոնք մասնաւոր նամակներով
վիճին պէյին այս բանին հաստատութիւնը կարա-
նանքն:

Երբէն Տիմիտի կառավարչին տրուելու պա-
ստոյն վրայ կը խօսին, ինչ 3 տարի Եւրոպի-
ան տարրեւայ մնալու է, և ինչ կառավարման մե-
թոճներն ալ (շէյխերը) եղիւրդս այս անկ-
աւ մահաւոր վրայ հարկաւորելու սոյժը վճա-
րու են: Հիւսիստունները գոհ չեն այս փոխա-
նութեանս, և աւելի սոսոյզ կ'ուզեն տեղեկու-
նան աւելեալ, որպէս զի այլ աւելի բան խնդ-
րեն:

Կոստիւրէն եկած յուրիւր՝ կը ծանուցանին
Ք. Փոխարքան՝ Տիմիտի գնալու պատրաստու-
նան կրնանայ:

ԱՐՏԱՔԻՆ ԵՈՒՐՈՐ

ՉԱԼՅՈՒՄ

Չ. Վեցգորի ի շէշուս կամ ի խեղճ քաղաքը և
քաղաքական սահմանադրութիւնը՝ որով սահ-
մանաւորու է որ շէշ վիճակը կորցնի կրնաւորութեամբ հա-
րակազ պարատուններուն մէջ իրեն առաջին քն-
նութիւն, և այս պատճառով եղած խռովութիւնը
վիճակաւ մէջ երկու անգամ այս Լաշիւն-էր ս-
որդոյ մէջ պատմուած է: (Նամը միայն ի շէշու-
ս մէջ չի մնայ, որիչ քառասունըս ալ՝ որ Տ. Վեց-
գորի գաղտնիցութեան անգամներն են, այս վեճի-
մասն, և մասնաւորապէս՝ Պէտէմէթի տեսնելը
վեճակաւ կրնանաւ բանիւրու վրայ արդարաւորութիւ-
նը քննաւոր կրնայէ, բայց կ'ուզէ որ ի շէշուսցիք

Շէշ վիճակը քննաւորուի: Գործը քրտն վճարման
ես կանխէ, բոլի է որ տարիներու արտաւորութիւն կու-
տան, բայց սորվեցունող չեն ուղիւ: ի շէշուսցիք
իրենց որոշմանը վրայ են, և իրենց երկիրներուն ալ
արտաւորութեան կանոններու վրայ պէտք եղած ամ-
բարեկամութիւնը կուտան, և չորքերին կը շատցունեն:
Կ'երեւի որ այս բանին համար մինչև պատերազմ բա-
ցուի ալ չէ պիտի դիմանան՝ աղտաւորութիւնին այս
կողմէն պաշտպանելու համար:

Եւս վեճի վրայ Տեա- օրոյցիք Պէտէմէթի յուն-
վորի 30ին գրուած նամակի մը օրինակ կը գնէ, որուն
մէջ նշանաւոր են սա հետեւեալ խօսքերս. «Շէշ
խոսելով» ի շէշուսցի վեճին վրայ քննաւորութիւն ալ
հոգր չէ, բուն լուսնադիւրեւէն գտն: Եւստատիւն-
ներուն» (այսինքն Չ. Վեցգորի արտաւորութեան հիմն և-
ղած դաշնադրութիւնները պատճառ բանելով խոս-
ված խնդրը և երկուսն ալ չորքերուն) բուն ուղածը՝
գործարարութեան պայմաններուն վերաբեր և բուն
խի գաղտնիցութեան քակտիւն է, և աւելի փոքու-
նելն ետքը՝ ասոր աւերակներուն վրայ մէկ հա-
տիկ հասարակագիտութիւն մը հաստատել կ'ուզեն:
Գաւառի մասնաւոր եղած գիտաւորութիւնը անոնք
կրնան, սահմանադրութիւնը պահել ուղղ գաւառ-
ներուն դիրքը պաշտպանելու համար քրտն գաղտնա-
րութիւններն ասոնց միտքը դրած բանին կատարմանը
տրգելը կ'ըլլայ, ասոնք ի շէշուս կուտան: Կ'երեւան
նէ՝ Շէշ վիճակը չին ասոնց կառուելու լինումները
պլլ նոյն կառավարութիւնը և ոյն տեղին յատուկ ե-
ղած սահմանադրութիւնները, և աւելի ասալ հաս-
տատուած ուղղի աւելանը տկարացունել է, որ եր-
կու տարի շարունակ գեմ կ'ելլայ: Չ. Վեցգորի ուրիշ
տեղերուն կարգադրութիւնը աւելանումն:

ՇԱԼՅՈՒՄ

Պարոն ինտոր Սիւլիս անուն գերմանացի իմաս-
տուն մը յոր գիրք մը հանել է՝ գերմանացաց լիպ-
ւով, Շ. Վեցգորի կառավարութեան 1844 թուին գրու-
նամ վիճակին վրայ: Սիւլիս Սիւլիս օրագիրը՝ ոյն
գիրքին հետեւեալ քաղաքական կ'ընէ:
«Շ. Վեցգոր քաղաքական կառավարութիւնը շատ
պոճուր է, և ազգը բոլոր՝ շորս կարգ բաժնուած է:

որ որպէս թէ շորս ազգ են՝ իրարու չեն խառնուիր և
իրարու թշնամի են: արք են ազնուականք, եկեղեցու-
կանք, քաղաքացիք և քեղացիք:

«Վեցգոր փոխարքայ իմաստ շատ և խիստ աղքատ են
կառավարութեան պաշտօնները ասոնք կըրնեն, շատ
աղքատութիւններ և արտօնութիւններ ունին, և կա-
ռավարութեան վճարած տարբերին՝ քաղաքացիներ-
ուն և քեղացիներուն վճարածէն հարիւրին 34 վար
է, անանկ որ՝ քաղաքացիները 100 տան նէ՝ աղքա-
ւականները 46 կուտան:

Եւս տեղեկական տուն՝ իրարուք ունի քաղաքա-
կան կառավարութեան ատենը իր կողմէն մարդ
ընկելու, հասարակօրէն այս արտօնութիւնս անդրա-
նկիկ անդրանիկ կ'անցնի, բայց թէ որ ուղի են անդ-
րանիկը՝ իր իրարուք իր եղբայրներուն մէկուն կըր-
նայ շնորհել, և աւելի հաշիւ եղած է որ՝ ինչ որ
ամեն աղքատական տնէ քաղաքական կառավարու-
թեան տեսնելին մէկ մէկ հոգի ընկելուն նէ՝ այս տա-
ւաններուն մէջ 2500 հոգի են պակաս մարդ պիտի չի
գտնուի, բայց գտնուողները սովորաբար շորս կ'ու-
հենց հարիւր հոգիէն աւելի չեն ըլլար:

«Եւ որովհետեւ աղքատներուն դեմքներուն
շատը միջին վիճակի մարդոց ձեռքն է անցել, որ ի-
րենց սեպհականներ են, աւելից կը հետեւի որ՝ ասորք
զգիւր ժամանակը գերմաններուն երկը մասին մէկին
խօսքը բնա՝ շըլլար, որովհետեւ ու քաղաքացի ոյ
ձեռքն են այն գերմանները և ու գերմանացի: 1828ին
եղած կառավարութեան տեսնելու պատեւեցան 472
աղքատական, բայց կառավարութեան մէջ քանակոյ-
նէրը 475 հոգի էին:

«Վեցգոր փոխարքայ իմաստ շատ և խիստ աղքատ են
կառավարութեան պաշտօնները ասոնք կըրնեն, շատ
աղքատութիւններ և արտօնութիւններ ունին, և կա-
ռավարութեան վճարած տարբերին՝ քաղաքացիներ-
ուն և քեղացիներուն վճարածէն հարիւրին 34 հոգի
կ'երեւան:

«Տարբերութիւն վրայ օրինաւոր կարգադրութիւն մը
չէ: Գիտատեղի պէտք բան մը և չորքը և նաւա-
կան զորութիւնը (տանտուն) մէկ աղիկ բարեկար-
գութեան մը տակ չեն, արտօնաւորներուն՝ որպէս
թէ ձեռքը ասոր կապուած է պէտք պէտք արդիւնի-
րով, կառավարութեան գործակալները բարեկար-
գութեան ջանադր չեն, կառավարութեան ամեն

վիճակը քննաւորութիւնը: Եւ իմ գործս է, և ու մեր
գործն է, քու աղատարար ուրիշ մարդ է,
անկիւր կը ծանուցան: Եւ մայր իմ, այն մարդը՝
անանկ աղքատ աստաւաճեւորութեանը քանակով քու
մեր ինքն աստաւ: Կրկին կրկին տեսնուի տեսնակ
արձանները ալ քրտն: անասարակցս մեր հի-
մաւն երկանկութիւնը պատճառը և աղբիւրը ա-
ղիկ է, ու՛, ուր էր որ նորէն ոյն մարդուն պա-
տիկ էր, որ էր որ այս բաղդս ունենայի, բայց գոնէ
որ համար յոր մը աւելելու ետեւ պիտի ըլլամ:
Հաշիւ եկածը եւս պիտի չի ձգեմ, այս բոլին եւս
թափանցելով ոյն անձանք մարդուն իր նաւա-
կանները և ամեն բուն աղիկ ի տեղը հորը կը պատ-
նէ, ասով հորը սիրտը կը հանգարտեցունէ:

Տեսն այս մարդս ամեն աղիկ քրտն ինքնակը կը-
տանք նէ՝ միւսն երկու տարի անհնար եղաւ, զրու-
րը երկու տարիէն հարը առտու մը ծովեղբայրին
«Վեցգոր՝ ասիկայ տեսաւ, և արտարանք ոսքը ին-
քը պիտի եղաւ, սիրտը և ուրախութեան ինքը զինք
ունէ տարով՝ բաւաւ, ու՛ տեղ իմ, իմ մէկ հատիկ
տեղադրս, իմ խնամակարս, իմ կեանքս, որ ալ-
արժէքս մէջ ինչ որ ունիմ նէ՝ հրամանքը ես:
«Վեցգոր ասոր ձեռքէն բանից, վեր վերցուց ու բաւա-
ւից կայ, ինչ կ'ուզես:— Եւ, ահա իմ, կըրնայ մի
այս որ մտնաս, անանկ աղիկ, առատաճեւորու-
նամքը աղատած խնդ՝ ի շէշուսցի սպան պղքան
պղք կըսն մի:— իմայ ունիմ բարեկամ, և սա այս

տեղացի չեմ, քանի մը որ միայն է որ ես այս քա-
ղաքը եկել եմ:— Եւս կըրնայ ըլլալ, բայց միտք
թող գայ որ՝ ասիկ քան և վեց ամիս տալով մէկ
անգամ մըն ալ հոս գտնուեցար, միտքը ինք որ ծո-
վան վրան հոգի կ'ուզէ նաւակով պարտեցաւ, քա-
կով ստակ տուիր ինքին, հորս գլխուն եկած փորձան-
քին վրան շատ մեղքը պար, և անկիւր աղտուելու վրա-
յոր ուղիւր եղած անդեկութիւնները բարակ բարակ
հարցունելով իմ ինքնէս տուիր, ասով հրամանք
մէկ ամիտքը գերդաստանի մը երջանկութեան պատ-
ճառ եղար, որ քեղ տեսնելին և անհաստատ օրհ-
նութեամբ իրենց սրտին երախտադրութիւնը յայտ-
նելին աւելի ուրիշ բանի չեն փոխաբեր: քեզի կա-
ղաւն, մեր փոխարք լեզուս, հրամէ կ'ուր, . . .
Շատ աղիկ՝ բարեկամ, բայց խորութիւն ալ շատ գիւ-
րին բան է, գորիչ դուն, . . . Եւ, այս բանին
խորութեան չեմ, կերպարանքը իմ վիշտութեանս մէ-
ջ շատ խորունկ տալարութեան են, այս բանին խա-
վելու անհնար է կ'աղաչեմ եկուր, . . . և այս բանով
ձեռքէն բանից, և պարկեշտութեամբ մը բունագա-
տել սկսաւ որ հետը տանի:

Եւս ոյն այս կերպով իրարու հետ վեճ ընկնին տես-
նողները հոն կ'այնելով՝ շատ մարդ ժողովուրդու, այն
տեղ անձանք մարդը իրեն փառաւորութիւնանք ծայրը
հասած էր, բայց ասոր վրայ ամբարտաւանելուն ան-
շը՝ օրինաւոր զուարճութեան կիրքն ու շարժումը
տեղին ալ կըրնայ գոգիլ, ուղից որ միշտ անյայտ մնայ:

ուստի միշտ ինքը զինք այս բանին բարոյսին անգիտ
ցուցանելով ալուն հետ կ'երեւան: մինչև յարմար
միջոց մը գտնելով բաղնիքները մէջ խառնուեցաւ,
տղած աղբին տալին անյայտ եղաւ գնաց:

Սարգիսի ոյն վաճառականներէն մէկը մեռնելով՝
թուղթներուն մէջէն մէկ թուղթ մըն ալ ելաւ, որուն
մէջ գրած էր որ՝ ոյն մեռնող վաճառականը՝ Վա-
տիկ քաղաքը բնակած ի շէշուս անուն վաճա-
ռականի մը 7500 ֆ-աւ զրկէր է: Ինչ որ մեռնողին
ժառանգները ոյն վաճառականէն այս հաշիւս ուղե-
լու շըլլային նէ՝ գերութեան տղատող մարդուն աղքա-
տարարը ու՛ ըլլալը կարելի է որ միւսն հիմայ գի-
տած շըլլար, այս վաճառականն որ տղաւ անդ-
գիտի էր, և լոմայափոխութիւն (սաւափութիւն) ալ
կ'ընէր, երկելի մարդ մըն էր, հաշիւ ուղղիւրուն
պատասխան գրելը որ՝ Պոտո քաղաքի բարձրագոյն
նախագահ Շալլը ի իմաստ Պարոն ար Սիւլիսցիին
հրամանաւ: Սարգիսի զերի մը աղտուելու խա-
ճուած էր ոյն ստակը, գերիին անունը ի շէշուս, և
գերի եղած տեղը՝ Կեդուան: Սիւլիսցիին քոյր մը
ունէր: Սարգիսի կարգաւ, որ կ'ըսուէր մատամ
Հեղեղուր, ատեն ատեն ասոր հետ տեսնուելու հա-
մար Սարգիսի կուգար: Սիւլիսցիին շատ զիրքեր
ունի, որոնց մէկն է՝ Ոգի օրինաց ըսուածը, բայց
այս աղբիւր բարեգործութիւնս՝ զրաւոր աղխատու-
թիւններուն ամենաւ կ'արիւնէ:

